



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 497] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 14, 1990/कार्तिक 23, 1912
No. 497] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 14, 1990/KARTIKA 23, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकायों के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतक परिवहन मंत्रालय

(नियन पत्र)

प्रधिगूचन।

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1990

मा.का.नि. 901 (श)।— केन्द्र सरकार, महापश्चिम न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38)
वां शाया 132 की आधारा (1) के गाँव पठित धाग 124 की उआधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिनियमों का प्रयोग
करने की अधिक गतिहासी मार्गी मंडल द्वारा बताए गए और इस अधिगूचना के साथ संलग्न अनुसूची में शीघ्रता

पोर्ट एम्पलोयीज (कोचिन नियन के लिए अधिकार अनुदान प्राप्ति) का संशोधन विनियम, 1990 का अनुदान कस्ती है।

2. इन विनियम, इस अधिकार के अनुसार में प्रकाशन की तारीख भी प्रवृत्त होती है।

[का.मं.पी.आर.-12015/7/88-नी.ई.]

अमोन जोधी अधिकारी नियन

अनुसूची

मेजर पोर्ट इंस्ट्रियल 1963 (1963 का 38) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त जारीनार्थ का अधिकार करते हुए होमिनेट बोर्ड इंस्ट्रियल वोर्क्स वोर्क्स बोर्ड एम्पलोयीज अधिकार (नियन के लिए अधिकार अनुदान प्राप्ति) विनियम, 1971 का अधिकार के लिए, नियमित विनियम बनाती है।

1. इन विनियमों का नाम कोमिक्स बोर्ड कम्पनी (मकान नियन के लिए प्रदिव्य अनुदान प्राप्ति) का अधिकार विनियम, 1979 है।

2. विनियम 2 (1) नियमित वार्षिक में प्रतिवर्षापित किया जाता है। "ज्यार्ही कम्पनी वही है जो अपनी सेवों की खेती में गुण द्वारा और अस्थायी कम्पनी वही है जो उसे नियमित नद का धारण नहीं करता है और आरंभ नहीं होता है जो उसे विवरण में विवरण नहीं किया हो।"

3. विनियम 3 के प्रत्येक अनुभाव नोट (2) में नियमित वार्षिक शोध जाएगा।

"यह इन अन्तों के अनुभाव है कि पूर्ण वैधिक लोगों द्वारा अपनी सेविक सेवा के दोहरान गृह नियन प्रदिव्य नहीं किया जाएगा।"

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th November, 1990

G.S.R. 904(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Cochin Port Employees' (Grant of Advance for building of Houses etc.) Amendment Regulations, 1990 made by the Board of Trustees for the Port of Cochin and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PR-12015/7/88-PE.I]
ASHOK JOSHI, Jr. Secy

SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by the Section 28 of the Major Port Trust Act, 1963 (33 of 1963), the Cochin Port Trust Board makes the following Regulations, further to amend the Cochin Port Trust Employees (Grant of Advance for building of Houses etc.) Regulations, 1971.

1. These Regulations may be called the Cochine Port Employees' (Grant of Advance for building of Houses etc.) Amendment Regulations, 1990.

2. Regulation 2(1) shall be substituted by the following :

"Permanent Employee is an Employee who has been confirmed in the grade of his entry into service and Temporary Employee is an Employee who is not holding a regular post or who has not been confirmed in the post to which he is initially recruited".

3. To the existing Note (2), under Regulation 3, the following words shall be added :—

"This is subject to the conditions that the ex-serviceman has not drawn House Building Advance during his military service and recovery of House Building Advance with interest is assured during the re-employed period".

